

प्रेषक,

एम0सी0 उप्रेती,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, उद्योग,  
उद्योग निदेशालय,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 3। जनवरी, 2011

विषय: वित्तीय वर्ष 2010-11 में दूरस्थ क्षेत्रों के लिये विशेष राज्य पूंजी उपादान सहायता योजनान्तर्गत धनराशि स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय आपके पत्र संख्या:4482/उ0नि0/(दो)08/बजट-सदु0/2010-11, दिनांक 29 नवम्बर 2010 एवं शासनादेश संख्या:1462/VII-II-10/98-उद्योग/2005 दिनांक 21 जून 2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु उद्योग विभाग के आयोजनागत पक्ष अन्तर्गत दूरस्थ क्षेत्रों के लिये विशेष राज्य पूंजी उपादान सहायता योजनान्तर्गत अवशेष धनराशि ₹ 125 लाख ( ₹ एक करोड़ पच्चीस लाख मात्र) तथा प्रथम अनुपूरक माँग द्वारा स्वीकृत धनराशि ₹ 50 लाख ( ₹ पचास लाख मात्र) अर्थात् कुल धनराशि ₹ 175 लाख ( ₹ एक करोड़ पचहत्तर लाख मात्र) की धनराशि व्यय किये जाने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की इस शर्त के साथ श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं कि पूर्व अवमुक्त/आवंटित धनराशि के पूर्ण उपयोग के बाद ही इस धनराशि का जनपदों के द्वारा कोषागार से आहरण किया जायेगा।

2- उक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर इस आशय से स्वीकृत की जा रही है कि व्यय में मितव्ययता नितांत आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने पर बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008, के नियमों का उल्लंघन होता हो, व्यय उन्हीं मदों में किया जाये जिसमें धनराशि स्वीकृत की जा रही है।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक: 31.03.2011 तक कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि का मदवार विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। व्यय के पश्चात यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक 31.03.2011 तक शासन को समर्पित की जायेगी। स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:187/XXVII(1)/2010 दिनांक 30 मार्च, 2010 में इंगित निर्देशानुसार किया जायेगा।

4- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण का रजिस्टर बी0एम0-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा और पूर्व के माह का व्यय का विवरण उक्त अधिकारी द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल की अध्याय-13

के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा और नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा।

5— उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक, 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 102-लघु उद्योग, 23-दूरस्थ क्षेत्रों के लिये विशेष राज्यपूँजी उपादान सहायता योजना-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद के नामे डाला जायेगा।

6— यह आदेश वित्त विभाग के अशा0संख्या:716/XXVII(2)/2010 दिनांक: 21 जनवरी 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एम0सी0 उप्रेती)  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 3911(1)/VII-II-10/98-उद्योग/2005, तददिनांकित।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
3. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
6. अपर सचिव नियोजन उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2
9. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

(एम0सी0 उप्रेती)  
अपर सचिव।